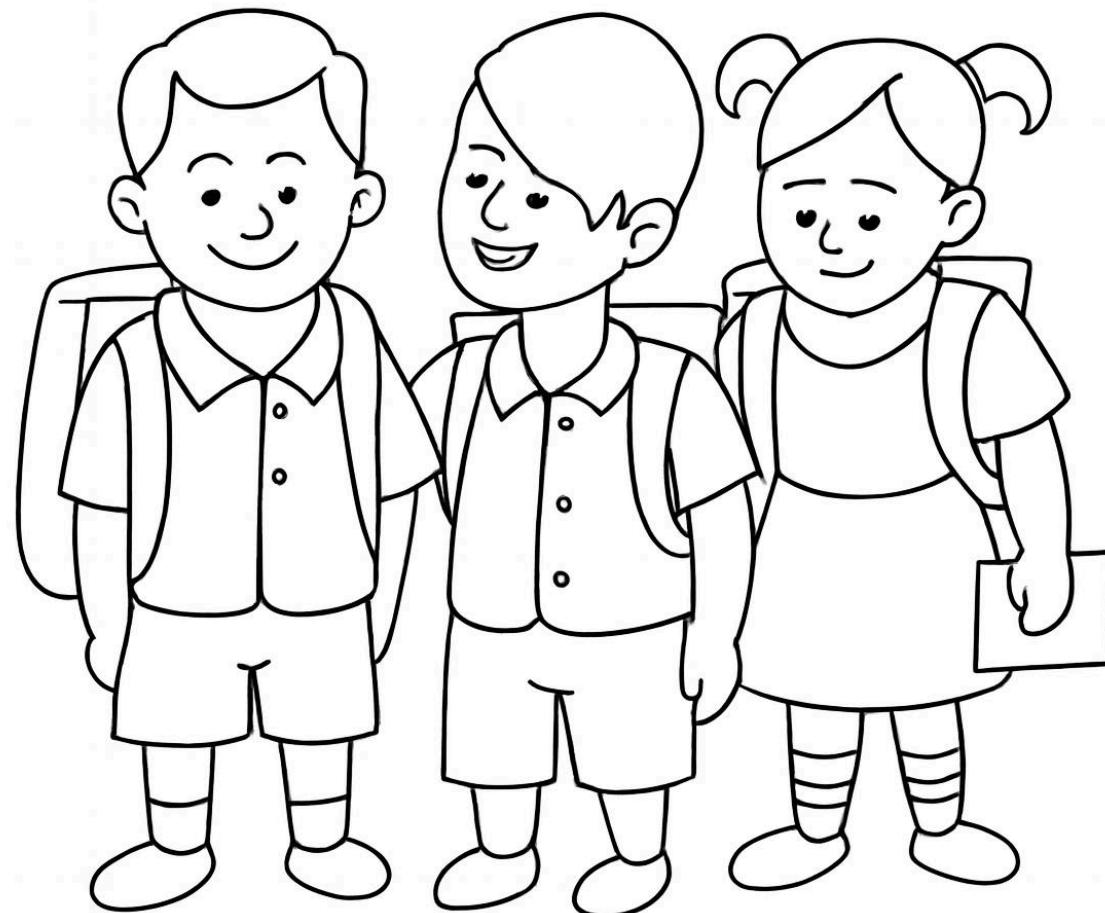


शिक्षा रौ महत्व



शिक्षा रौ महत्व

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

प्रकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

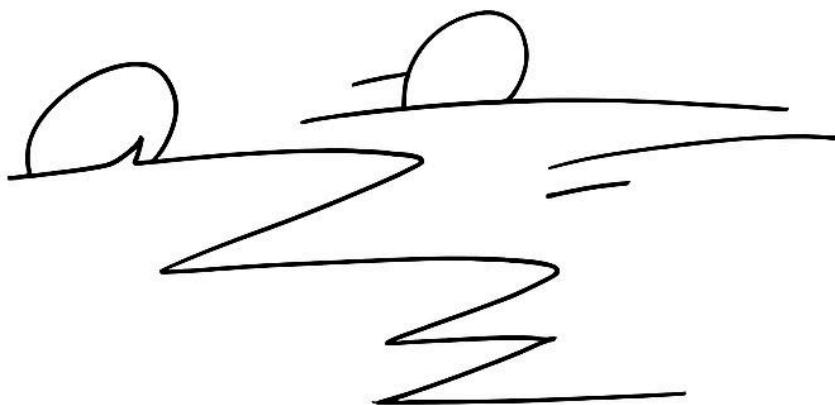
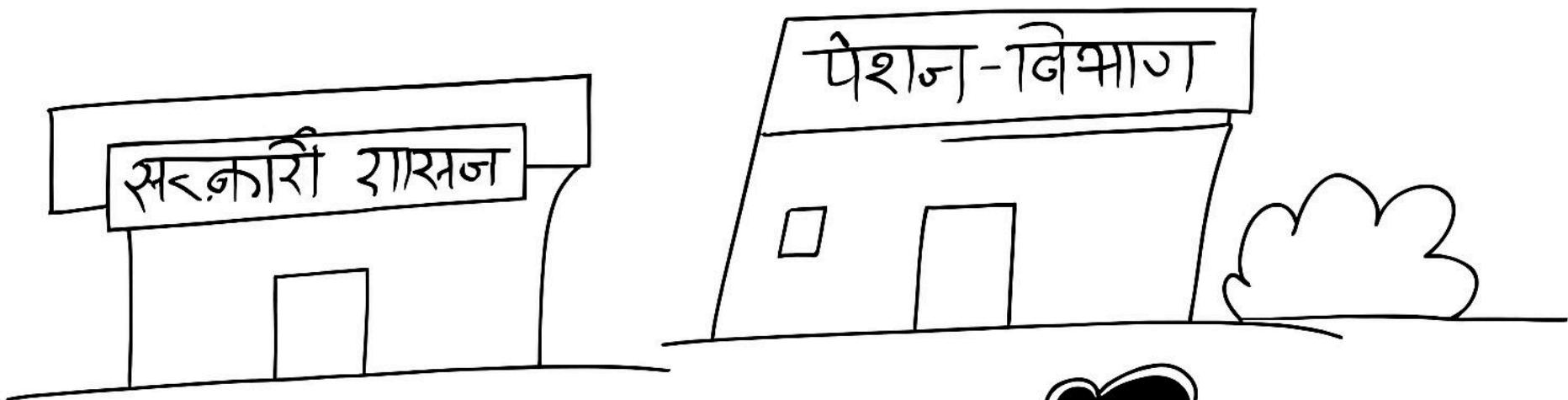
दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकि जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

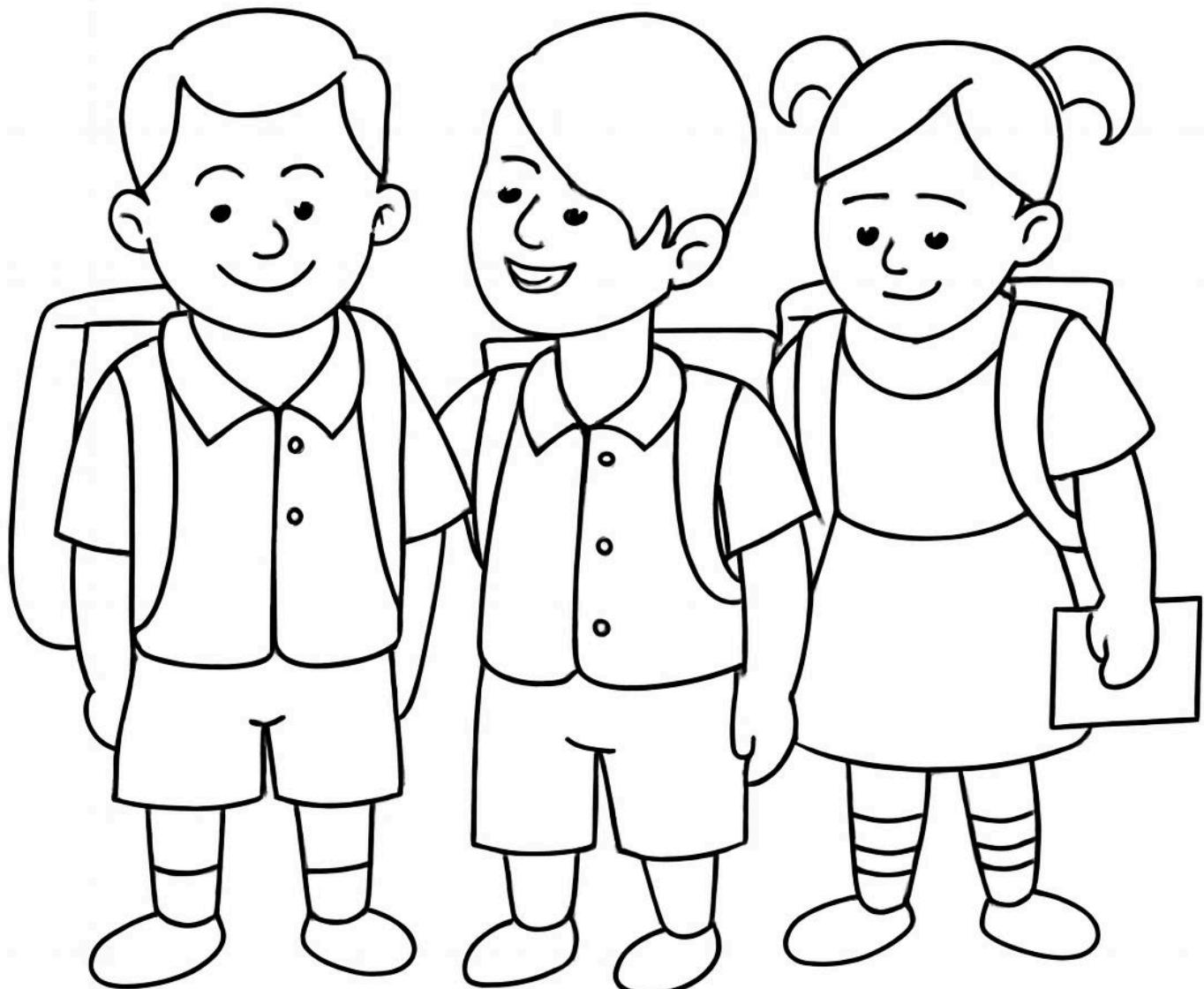
॥धन्यवाद ॥



एक गाऊँ दी रामू नौऊँ रो एक
माणूष रौये थो। सेउ गौरीव
आजि अनपड़ थो। आजि
आपडी जिन्दगी बौडी मुश्कल
कौइ जीये थो।



तेसरी सरकार री ओर कौइ
थोड़ी पेंशन औज़ि सुसाईटी कौइ
थोड़ौ गीउँ मिलै थौ।

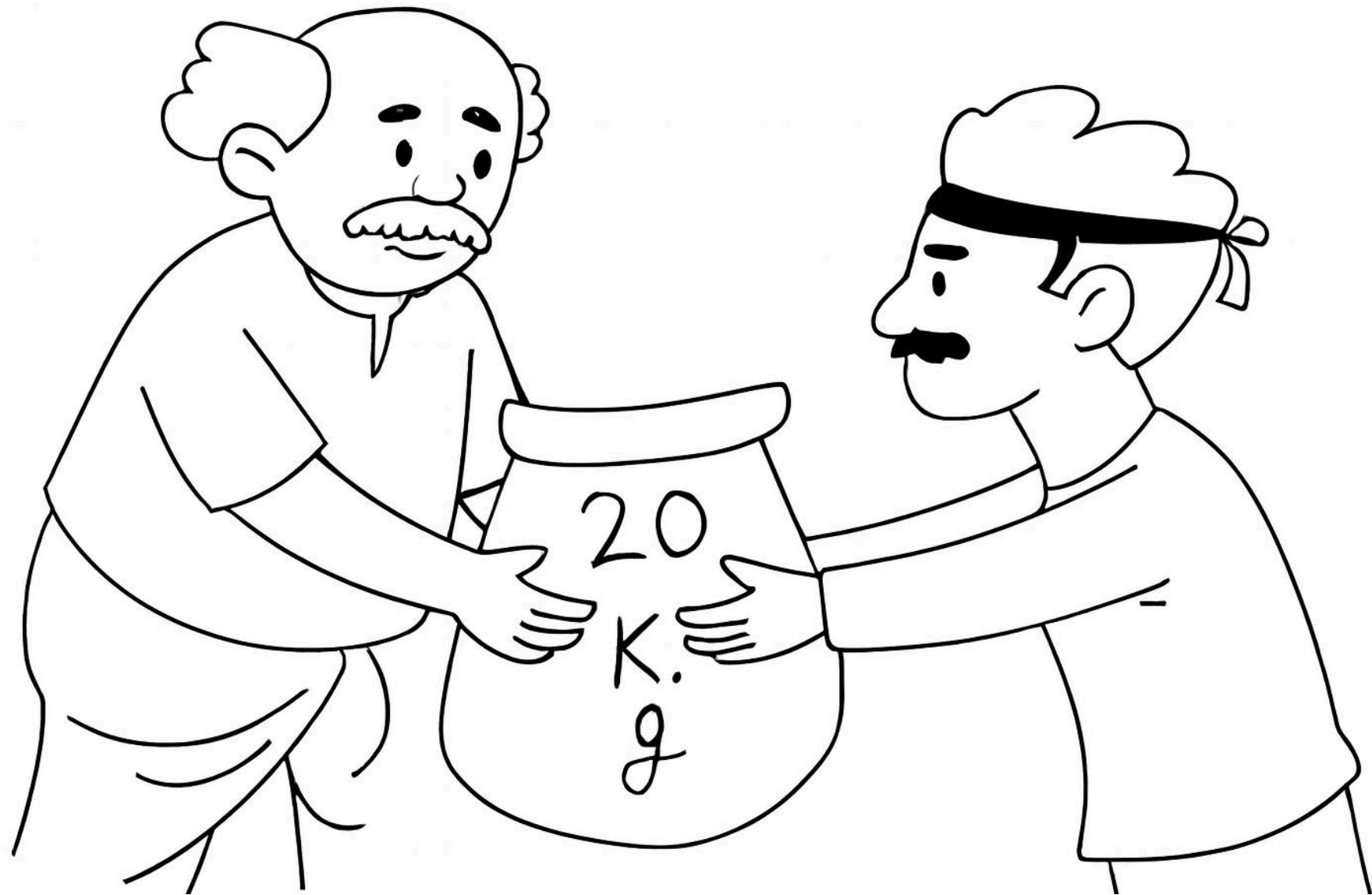


रामू रै चीन पेटारै थै, सै चिनिया
जौणै ईस्कुलकै डैण थै ।

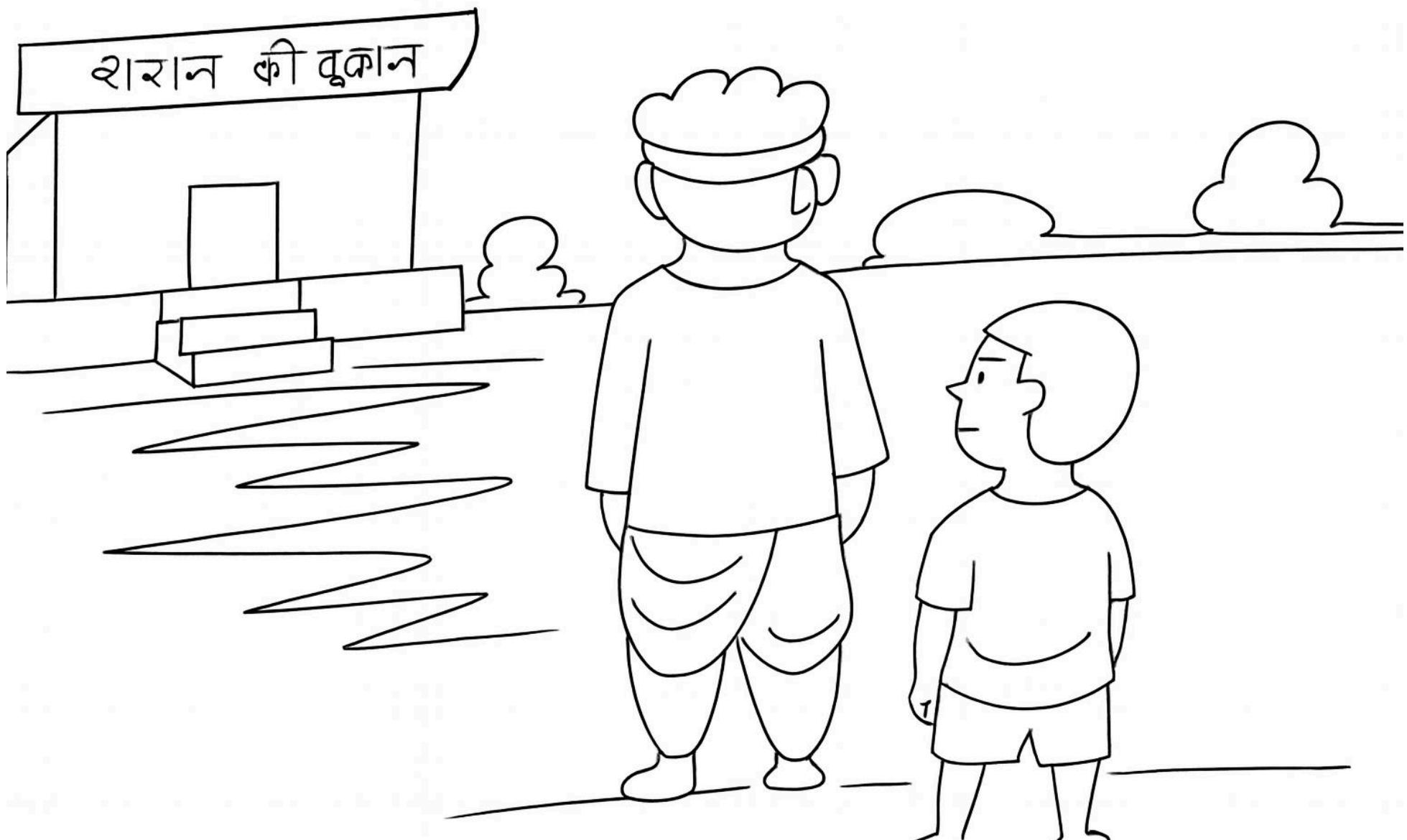
वाशन - की दुकान



ਰਾਮ੍ ਸੌਦਾਇਂ ਜਾਇਂ ਡੀਲਰ ਕਾਈ
ਗੀਤੁੰ ਖੀ ਡੈਅ, ਡਿਲਰੇਇ ਰਾਸ਼ਨ
ਕਾਈ ਦੀ ਹਮੇਸ਼ਾਇ ਜਾਇਂ ਪੈਨਿਤਸ਼
ਕਿਲੋ ਗੀਤੁੰ ਲਿਖੈ ।



पर डिलर रामू के सौदाइं वीशाइ
किलो ग्रीड़ दे थे, रामू के एशौ
कुछ बी पौतो ना लागे थे कि
तेसके सरकारी ओर कोई
केती किलो ग्रीड़ मिलैण।



एक दूस रामू रौ बेटा, रामू रै
साथै राशन री दुकानी दी डैअ ।

राशन - की दुकान



ਤੈਥੈ ਡਿਲਰ ਗੀਤੁੰ ਤੋਲਦੈ ਲਾਗੈ,
ਗੀਤੁੰ ਤੋਲਿਯੈ ਡਿਲਰ ਰਜਿਸਟਰ ਦੀ
ਲਿਖਦੈ ਲਾਗੈ ।



तैवै रामू रौ बेटाइ देखौ कि गीऊँ
तै पैंतीश किलो लिखौ-दौ, तैवै
रामू रौ बेटाइ तेसकौइ पुछौ ताइं
बीशाई किलो गीऊँ केलाई दैअ।



तैवै रामू रौ बेटाइ तेसारी बोलौ
आऊं तेरी शिकाइत देऊ कौरी
तैवै डिलरेइ बोलौ कि शिकाइत
ना कौरै आऊं पुरौ राशन देऊ ।



एशौ देखणै वासियै रामू आपडौ
बेटा री पौड़ाई खी बौरी खुश
उवौ, पौड़ौ लिखौ ऊणेरी बौजौ
कौइ पिछ्लौ गीऊँ बी वापस
मिलौ ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,, धन्यवाद ,,,,,,,,,,

